<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 38

14 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात की मांग

38. श्री रमेश चन्द्र कौशिकः

श्री दिलीप शइकीयाः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या वैश्विक कोरोना महामारी के कारण इस्पात उत्पादों की मांग में तीव्र गिरावट आई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इसके द्वारा कोई राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुआ है;

(ग) यदि हां, तो क्या इससे ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार ने स्थिति से निपटने के लिए कोई कार्ययोजना तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क): भारत में वर्तमान वर्ष अर्थात् अप्रैल-जुलाई 2020 और पिछले वर्ष की समान अवधि में कुल तैयार इस्पात (नॉन-अलॉय+अलॉय/स्टेनलेस) की माँग/खपत का ब्यौरा निम्नलिखित है:-

माह	**कुल तैयार इस्पात (नॉन-अलॉय+अलॉय/स्टेनलेस) की खपत 1000 टन में**	
	वर्ष 2019	**वर्ष 2020**
अप्रैल	7,333	1,092
मई	8,850	4,720
जून	8,589	6,234
जुलाई	8,573	7,405

(ख) और (ग): राज्यवार खपत के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं। तथापि, विभिन्न राज्य कोविड महामारी तथा माँग और आपूर्ति श्रृंखलाओं में इससे संबद्ध विघटन से प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुए हैं।

(घ): इस्पात मंत्रालय ने लॉकडाउन की अवधि के दौरान उद्योग संघों और घरेलू इस्पात उद्योग के अग्रणी सहित विभिन्न हितधारकों के साथ कई बार विचार-विमर्श किए ताकि केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के संबंधित मंत्रालयों/विभागों के साथ उनकी समस्याओं को उठाकर उनका निपटान किया जा सके। इस्पात मंत्रालय ने लॉकडाउन से उत्पन्न होने वाले मुद्दों के शीघ्र निपटान के लिए इस्पात उद्योग से उनसे संबंधित अभ्यावेदन प्राप्त करने के लिए मंत्रालय में एक नोडल अधिकारी को अधिसूचित भी किया। गृह मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों से इस्पात उत्पादन में तेजी लाने में सुविधा मिली है। इस्पात मंत्रालय ने देश में इस्पात की समग्र माँग को बढ़ाने के लिए संबंधित हितधारकों के साथ निम्न वेबिनारों का भी आयोजन किया है:

i. तेल और गैस क्षेत्र, 16 जून 2020
ii. इस्पाती इरादा:इस्पात के उपयोग को बढ़ाना, 30 जून 2020
iii. आवासन और नागर विमानन क्षेत्र, 18 अगस्त 2020

****